



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 122]  
No. 122]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 4, 1987/ज्येष्ठ 14, 1909  
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 4, 1987/JYAISTHA 14, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना स 186-आई टी सी (पी एन)/85-88

नई दिल्ली 4 जून 1987

विषय—अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात-निर्यात नीति ।

फा स आई पी सी/3/3/85—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 1 आई टी सी (पी एन)/85-88 दिनांक 12 अप्रैल 1985 के अंतर्गत  
प्रकाशित अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए यथावशोचित आयात-निर्यात नीति को ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2 नीति से सम्बन्धित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे —

क्रम स	आयात-निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) की पृष्ठ संख्या	संदर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1	11	अध्याय-3 पैरा-39 मुख्य रूप से देशी मशीनों का उपयोग करने इस पैरे का हटा दिया जाएगा । बात औद्योगिक एकका द्वारा मशीनों का आयात	

1	2	3	4
2.	27	अध्याय-5, पैराग्राफ-91, उप पैरा (2)	अंतिम पंक्ति में 50,000 रु. के शब्दों और श्रोकों को 2.5 लाख रुपये के रूप में संशोधित किया जाएगा।
3.	28	अध्याय-3, पैरा-92, उपपैरा (1)	तीसरी पंक्ति में "50,000 रुपये" के शब्दों और श्रोकों को 2.5 लाख रुपये के रूप में संशोधित किया जाएगा।
4.	28	अध्याय-5, पैरा 93	इस पैरे के प्रथम वाक्य को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा— "इन मामलों में, नई और प्रस्तावित सप्ट एककों के संबंध में लाइसेंस का अधिकतम मूल्य 2.5 लाख रुपये होगा। परन्तु यह उपर्युक्त पैरा 91 और 92 में उल्लिखित शर्तों के अधीन होगा।"
5	33	अध्याय-6, पैरा 110, उप-पैरा (1) बिक्री के बाद की सेवाओं के लिए अतिरिक्त पुर्जों का आयात	इस पैराग्राफ को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— "110(1) अपने ग्राहकों को बारण्टी कवरेज या बिक्री पश्चात् सेवाएं (चाहे मुफ्त या कीमत पर हों) प्रदान करने के उद्देश्य के लिए अपेक्षित अतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान उत्पादन के कारखाना मूल्य के 5 प्रतिशत या आयातित संप्रदायों के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 2 प्रतिशत इनमें से जो भी अधिक हो, उसके हिसाब से वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) लाइसेंस देने के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन पात्र होंगे:— (1) आयात की जाने वाली मर्चों की सूची प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा स्थापित होनी चाहिए। चरणवार विनिर्माण कार्यक्रम (आर. एम. पी.) के अधीन एककों के मामले में सूची आर. एम. पी. का अनुसंधान करने वाले प्राधिकारी द्वारा स्थापित की जाएगी। ऐसे मामलों में सूची स्थापित करने वाले प्राधिकारी को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि आयात आर. एम. पी. के अनुसार हैं। (2) आवेदित मर्चें वह होनी चाहिए जो मूल उपकरण के विनिर्माण के समय संघटक के रूप में आयात की गई थी। आवेदक को इस आयात का एक घोषणापत्र देना चाहिए। सप्ली या लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव जो आवेदक फर्म का साक्षीदार या निदेशक या कर्मचारी या उसका सहयोगी न हो, से प्रमाणपत्र के सहित जिस मूल्य के लिए पात्र हो उसके लिए आवेदन पत्र संबंधित लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाने चाहिए। इस उप पैरे के अधीन परिशिष्ट 9 में सूचीबद्ध उद्योगों के जुड़े हुए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) आयात लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होंगे।' शर्त सं. (3), के बाद, निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:— (4) यदि वाहन भारतीय राज्य वाजार निगम (एस टी सी) को बेचा गया है तो दूसरे वाहनों के आयात के लिए आवेदन पत्र पर पहले वाहन की आयात की तिथि से पांच वर्षों के बाद विचार किया जाएगा। यदि आयातित वाहन खुले बाजार में बेचा गया है परन्तु एस टी सी को नहीं तो दूसरे वाहनों के आयात के लिए आवेदन पत्र पर पहले वाहन के आयात करने की तिथि से 10 वर्ष पूरे होने के बाद विचार किया जाएगा।
6.	51	अध्याय-9 कार और वाहनों का आयात पैरा 151(1) (छ) विदेशी संस्थानों की शाखाएं/कार्यालय (सामूहिक या अन्यथा रूप से)	शर्त सं. (3), के बाद, निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:— (4) यदि वाहन भारतीय राज्य वाजार निगम (एस टी सी) को बेचा गया है तो दूसरे वाहनों के आयात के लिए आवेदन पत्र पर पहले वाहन की आयात की तिथि से पांच वर्षों के बाद विचार किया जाएगा। यदि आयातित वाहन खुले बाजार में बेचा गया है परन्तु एस टी सी को नहीं तो दूसरे वाहनों के आयात के लिए आवेदन पत्र पर पहले वाहन के आयात करने की तिथि से 10 वर्ष पूरे होने के बाद विचार किया जाएगा।
7.	129	परिशिष्ट-3, भाग क	वर्तमान प्रविष्टि सं. 288 के बाद, निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:— "288-क नोनल फिनोल"
8.	137	परिशिष्ट-3, भाग क, प्रविष्टि-538	इस प्रविष्टि का विवरण निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा :— "538 मर्करी/सोडियम बेयर लैम्पस और मेटल ह्यूरी लैम्पस"
9.	161	परिशिष्ट-6 खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन मर्चों का आयात मर्च सं. 306-ख किमी भी क्षेत्र में कम्प्यूटर साफ्टवेयर	इस मर्च के विवरण के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:— "प्रति डिस्कट्रैस औसतन 50 रुपये लागत नामा भाड़ा या इससे कम से सहित फ्लोपी डिस्कट्रैस में साफ्टवेयर को छोड़कर।"

1	2	3	4
10	161	परिशिष्ट-6 खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन मर्चों का आयात	वर्तमान मद सं. 30क के बाद, निम्नलिखित नई मद ओझा जाएगी. मद पात्र पात्र पात्र आयातकों की श्रेणियां "30ब बैकिंग के लिए भारतीय फ्लैग शिप बैकिंग के लिए पंजीकृत पोत एकक"
11.	169	परिशिष्ट-6 खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात नियंत्रित करने वाली शर्तें	वर्तमान शर्त सं. 44क के बाद निम्नलिखित शर्त जोड़ी जाएगी:- "44ख. बैकिंग के लिए भारतीय फ्लैग पोत के मामले में, आयातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को महानिदेशक पोत परिवहन, बम्बई से पोत स्केपिंग के लिए प्राधिकृत करने हुए यह प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि पोत का आयात बैकिंग के लिए है।"

3. बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 2-आई टी सी (पी एन)/85—88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अधीन प्रकाशित आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985—88 की ओर भी ध्यान दिलाया जाता है। उक्त प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन उपर्युक्त स्थानों पर निम्न प्रकार से किए जाएंगे:—

क.सं.	आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 की पृष्ठ संख्या	संदर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1.	26	अध्याय-3 पूँजीगत माल, पैराग्राफ 176 मुख्य रूप से इस पंसे को हटा दिया जाएगा। देशी मशीनों का प्रयोग करने वाले औद्योगिक एककों द्वारा मशीनों का आयात	

4. इस सार्वजनिक सूचना की शर्तों के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंसों में से निकाली गई उपर्युक्त मदों के संबंध में, पात्र आयातकों द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से पहले खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्य की सीमा, जिसके लिए पोतल दान इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से 90 दिनों के भीतर किया जाना है, को छोड़कर आयात अनुमति नहीं किया जाएगा।

5. आयात-निर्यात नीति एवम् आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक में उपर्युक्त संशोधन लोकप्रिय में किए गए हैं।

हस्ताक्षरित  
राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक  
आयात-निर्यात

एन. प्रसाद, संयुक्त मुख्य नियंत्रक  
आयात व निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE  
IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 186—ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 4th June, 1987

Subject : Import and Export Policy for April 1985—March 1988.

F. No. IPC/3/3/85:—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. I-ITC(PN) 85-88 dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. & Export Policy, 1985-88 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4
1.	11	CHAPTER III Paragraph 39 Import of machinery by Industrial units using mainly Indigenous machinery.	This paragraph shall be deleted.
2.	27	CHAPTER V Paragraph 91 Sub-paragraph (2)	In the last line, the latters and figures "Rs. 50,000" shall be amended as "Rs. 2.5 lakhs".
3.	28	CHAPTER III Paragraph 92 Sub-paragraph (1)	In the 9th line, the latters and words "Rs. 50,000" shall be amended as "Rs. 2.5 lakhs".
4.	28	CHAPTER V Paragraph 93	The first sentence of this paragraph shall be substituted by the following : "In these cases, the maximum value of the licence shall be Rs. 2.5 lakhs in respect of now or proposed small scale units, subject to the conditions laid down in paragraph Nos. 91 and 92 above."
5.	33	CHAPTER VI Paragraph 110 Sub-paragraph (1) Import of spares for after-sales services.	This sub-paragraph shall be substituted by the following— "110(1). Actual Users (Industrial) will be eligible to get 'licences calculated at 1.5% of the ex-factory value of production or 2% of C.I.F. value of imported components, whichever is higher, during the last three financial years, for import of spares needed for the purpose of providing warranty coverage or after-sales services (whether free of cost or at a price) to their customers, subject to the following conditions :— (i) The list of items to be imported should be attested by the sponsoring authority. In the case of units under the Phased Manufacturing programme (PMP), the list should be attested by the authority which approved the PMP. In such cases, the authority attesting the list should also certify that the imports are in accordance with the PMP. (ii) The items applied for should be those which were imported as components at the time of manufacture of the original equipment. A declaration to this effect should be furnished by the applicant. Applications should be made to the regional licensing authorities concerned, accompanied by a certificate from a Chartered or Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner or a director or an employees of the applicant firm for its associate, as to the eligible value. Actual Users (Industrial) engaged in the industries listed in Appendix 9 only will be eligible to apply for import licence under this sub-paragraph."
6.	51	CHAPTER IV Import of Car and Vehicles Paragraph 151(1)(G) Branches/Offices of Foreign institutions (corporate or otherwise)	After condition number (iii), the following shall be added :— "(iv) Application for import of a second vehicle may be considered after five years from the date of importation of the first vehicle, if the vehicle has been sold to the State Trading Corporation of India Limited (STC). In case the imported vehicle has been sold in the span market but not is STC, application for import of a second vehicle may be considered after expiry of 10 years from the date of importation of the first vehicle."
7.	129	APPENDIX 3 PART - A	After the existing Entry No. 288, the following shall be added :— "288A. Nonyl Phenol."
8.	137	APPENDIX 3, PART - A Entry No. 538	The description of this entry shall be amended as under :— "538. Mercury/Sodium vapour lamps and Metal halide lamps."

1	2	3	4
9. 161	APPENDIX 6 IMPORT OF ITEMS UNDER OPEN GENERAL LICENCE, Item No. 308 Computer software in any media.	At the end of the description of the item, the following shall be added : "excluding software in floppy diskette with average c.i.f. price of Rs. 50/- or less per diskette."	
10. 161	APPENDIX 6 IMPORT OF ITEMS UNDER OPEN GENERAL LICENCE	After the existing item No. 30C, the following new item shall be added :	
		Item	Categories of eligible importers
		"30D. Indian flag Vessels for breaking.	Units registered for this breaking."
11. 169	APPENDIX 6 Conditions governing Imports under Open General Licence.	After the existing condition number (44A), the following condition shall be added :— "(44B). In the case of Indian Flag Vessels for breaking, the importer shall produce to the customs authorities, at the time of clearance, a certificate from the Director General of Shipping, Bombay, authorising the scrapp- ing of the vessel."	

3. Attention is also invited to the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/85-88 dated the 12th April, 1985. The following amendments shall be made in the said Hand Book at the appropriate places as indicated below :—

Sl. No.	Page No. of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88	Reference	Amendment
1	2	3	4
1. 26	CHAPTER III CAPITAL GOODS. Paragraph 176, Import of Machinery by Industrial Units using mainly Indigenous Ma- chinery.	This Paragraph shall be deleted.	

4. In respect of item(s) taken out of Open General Licence in terms of this Public Notice, import under Open General Licence by eligible importers shall not be permitted except to the extent of irrevocable letters of credit already opened and established before the date of this Public Notice, for which shipments are made within a period of 90 (Ninety) days from the date of this Public Notice.

5. The above amendments in the Import & Export Policy and Hand Book of Import-Export Procedures have been made in the public interest.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports  
L. PRASAD, Jt. Chief Controller of Imports & Exports

